IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन

सत्य प्रकाश आजाद
शोधार्थी (शिक्षाशास्त्र)
शिक्षा एवं सहबद्ध विज्ञान संकाय,
महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय
बरेली (उत्तर प्रदेश)

प्रो0 नलिनी श्रीवास्तव
पूर्व विभागाध्यक्ष
शिक्षा एवं सहबद्ध विज्ञान संकाय,
महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय
बरेली (उत्तर प्रदेश)

सारांश

प्रस्तुत शोधपत्र में बरेली जनपद के माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा अध्ययन के लिए समस्त विद्यालयों में से कुल 04 विद्यालयों को जिनमें 02 यू0पी0 बोर्ड व 02 सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के शहरी व ग्रामीण विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों को यादृच्छिक न्यादर्श विधि के द्वारा न्यादर्श रूप में सम्मिलित किया गया। प्रस्तुत शोध में शोध विधि के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है। शोध में केवल परिकल्पना क्रमांक 2 अस्वीकृत हुई है तथा सभी परिकल्पनाएँ परिकल्पना क्रमांक 1,3,4,5 आदि स्वीकृत की गयी है अतः शोधकर्ता ने यह पाया कि परिकल्पना क्रमांक 2 में अस्वीकृत होने का कारण है छात्राओं का मध्यमान 60.58 तथा छात्रों का मध्यमान 65.96 पाया गया तथा टी–मान 3.34 पाया गया। जिससे पता चलता है कि छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा अधिक होने के कारण उनके लिए चलायी जा रही योजनायें व माता–पिता द्वारा दिया जाने वाला वातावरण और अभिप्रेरित किया जाना जिससे वह अपनी माध्यमिक स्तर की शिक्षा में अच्छी उपलब्धि प्राप्त कर पा रही है।

मुख्य बिन्दु:–उपलब्धि अभिप्रेरणा, माध्यमिक स्तर आदि।

प्रस्तावना

किसी भी समाज या राष्ट्र का विकास उसके नागरिकों पर निर्भर करता है यह नागरिक अपने समाज या राष्ट्र के प्रति किस प्रकार से कर्तव्यनिष्ठ है यह उनके कार्यों को करने के लिए मिली अभिप्रेरणा पर निर्भर करता है क्योंकि कोई भी व्यक्ति किसी भी कार्य को करने से पहले उसके लिए अभिप्रेरित होना बहुत जरुरी है। जब तक वह अपने कार्य के प्रति प्रेरित नहीं होगा उसका कार्य को करने में ठीक से मन नहीं लगेगा जब मन नहीं लगेगा तो उसका कार्य सम्पूर्ण नहीं हो पायेगा इस प्रकार से वह किये गए कार्य की अच्छी उपलब्धि प्राप्त नहीं कर पायेगा।

अतः हम कह सकते हैं कि किसी भी उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए व्यक्ति का अपने कार्य के प्रति अभिप्रेरित होना अति आवश्यक है।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व–

सर्वप्रथम उपलब्धि अभिप्रेरणा का विकास अमेरिका में हुआ था उपलब्धि अभिप्रेरणा की प्रकृति व्यक्तिगत होती है। किसी भी प्रकार की उपलब्धि के लिए काम करने की अभिप्रेरणा को उपलब्धि अभिप्रेरणा कहा जाता है। उपलब्धि अभिप्रेरणा से तात्पर्य विद्यार्थियों की आकाक्षा प्रयास और मजबूती से है। विद्यार्थियों के प्रदर्शन उत्कृष्टता तथा कुछ मानक के संबंधों में मूल्यांकन किया जाता है जिसे उपलब्धि अभिप्रेरणा कहा जाता है।

कुछ मनोवैज्ञानिकों जैसे ए0एल्डरमैन (1999), मर्फी (1990), साइमन (1988), एटकिंसन (1974), ट्रेसी (1993), एटकिंसन और फेदर (1966), कीफ और जेनकीन्स (1993), पार्कर और जॉन्सन (1981) आदि। सभी मनोवैज्ञानिकों ने यही बताने का प्रयास किया है कि उपलब्धि अभिप्रेरणा छात्रों विफलता से सफलता की ओर ले जाती है।

माध्यमिक स्तर पर छात्र–छात्राओं की शिक्षा का दायित्व शिक्षक के साथ–साथ अभिभावक एवं उनके आस–पास के सामाजिक वातावरण पर निर्भर करता है। छात्र–छात्राओं की उन्नति कुछ कारणों जैसे– पाठ्यक्रम, लक्ष्य, योग्यता, क्षमता व अभिप्रेरणा पर निर्भर करती है। इस स्तर पर छात्र व छात्राओं को सही दिशा निर्देश प्रदान करने के लिए उनके सही मूल्यों का विकास होना बहुत जरूरी है। जिससे आज का विद्यार्थी ही कल के समाज का योग्य नागरिक बनेगा। छात्र व छात्राओं 1 की उपलब्धि शिक्षक के ऊपर निर्भर करेगी क्योंकि शिक्षक जितना उचित शिक्षण गुणों वाला होगा उसके छात्र व छात्राओं की उपलब्धि भी उतनी ही अधिक होगी।

समस्या का कथन–

"माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन"

संक्रियात्मक परिभाषा– यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 द्वारा संचालित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों की कक्षाओं से तात्पर्य है कक्षा 9 से 12 तक की कक्षाओं का संचालन है, लेकिन इस अध्ययन में केवल कक्षा 9 के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्य–

प्रस्तुत शोधपत्र के उद्देश्य निम्नवत है–

- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना
- यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन करना।
- सरकारी व गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन करना।
- शहरी व ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन करना

अध्ययन की परिकल्पनाएँ–

प्रस्तुत शोधपत्र की परिकल्पनाएँ निम्नवत है–

- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- सरकारी व गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- शहरी व ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

अध्ययन का सीमांकन–

प्रस्तुत शोधपत्र में बरेली जिले के माध्यमिक स्तर के केवल सी0बी0एस0ई0 बोर्ड और यू0पी0 बोर्ड के केवल कक्षा 9 में अध्ययनरत 100 विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।

शोध विधि–

प्रस्तुत शोधपत्र में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या–

बरेली जिले के समस्त यू0पी0 बोर्ड एवं सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक स्तर के विद्यालयों मे अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में शामिल किया गया है।

न्यादर्श– प्रस्तुत शोधपत्र में बरेली जिले के दो यू0पी0 बोर्ड व दो सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के कुल चार माध्यमिक विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में शामिल किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त शोध उपकरण– प्रस्तुत शोधपत्र में आकडों के संग्रहण हेतु डॉ. टी0 आर0 शर्मा द्वारा निर्मित एकेडमिक अचीवमेंट मोटिवेशन टेस्ट का प्रयोग किया गया है।

प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियॉं– शोधपत्र अध्ययन के उद्देश्य एवं अनुसंधान प्रारूप को ध्यान में रखकर उपयुक्त वर्णनात्मक सांख्यिकी प्रविधियाँ मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण अपनाई गयीं।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

प्रस्तुत शोध के आंकड़ों का विश्लेषण निम्न प्रकार से किया गया है–

तालिका–1

बरेली जिले के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के स्तर का प्रतिषत

विद्यार्थियों के प्रकार	विद्यार्थियों की संख्या	विद्यार्थियों की संख्या का प्रतिशत	विद्यार्थियों की कुल संख्या
उच्च स्तर	20	20	100
मध्यम स्तर	62	62	
निम्न स्तर	18	18	

60.58

तालिका संख्या–1 के अनुसार बरेली जिले के अंतर्गत आने वाले माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के स्तरों का प्रतिशत उच्च स्तर में विद्यार्थियों की संख्या तथा प्रतिशत 20 पाया गया औसत स्तर में विद्यार्थियों की संख्या तथा प्रतिशत 62 पाया गया निम्न स्तर में विद्यार्थियों की संख्या तथा प्रतिशत 18 पाया गया है।

तालिका–2

बरेली जनपद के माध्यमिक स्तर के स्कूलों के छात्र और छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन

चर	छात्र		छात्राओं		टी–मान (df = 98)	सार्थकता स्तर
	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन		
उपलब्धि अभिप्रेरणा	65.96	8.23		7.88	3.34	सार्थक

सार्थकता स्तर 0.01 पर तालिका मान = 2.59, सार्थकता स्तर 0.05 पर तालिका मान = 1.97

तालिका संख्या–2 के अनुसार बरेली जिले के अंतर्गत आने वाले माध्यमिक स्तर के स्कूलों के छात्र और छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा का टी–मान 3.34 है, जो कि सार्थकता स्तर 0.05 के मान **df=98** से 1.97 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना छात्र एवं छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है स्वीकृत की जाती है। छात्राओं का मध्यमान 60.58 एवं छात्रों का मध्यमान 65.96 अपेक्षा अधिक है। अतः छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से अधिक पायी गयी है।

तालिका–3

बरेली जिले के माध्यमिक स्तर के यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन

चर	यू0पी0 बोर्ड के छात्र और छात्राएं		सी0बी0एस0ई0 के छात्र और छात्राएं		टी–मान (df = 98)	सार्थकता स्तर
	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन		
उपलब्धि अभिप्रेरणा	62.77	7.64	64.49	6.82	1.24	असार्थक

सार्थकता स्तर 0.01 पर तालिका मान = 2.59, सार्थकता स्तर 0.05 पर तालिका मान = 1.97

तालिका संख्या–3 के अनुसार बरेली जिले के अंतर्गत आने वाले माध्यमिक स्तर यू0पी0 बोर्ड व सी. बी0एस0ई0बोर्ड के स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का मध्यमान क्रमशः 62.77 एवं 64.49 तथा टी–मान 1.24 है, जो कि सार्थकता स्तर 0.05 मान **df=98** पर **1.97** से कम है अतः शून्य परिकल्पना **यू0पी0 बोर्ड व सी.बी0 एस0ई0 बोर्ड के विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है** तथा यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

तालिका संख्या–4

बरेली जिले के माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन

चर	सरकारी विद्यालयों के छात्र और छात्राएं		गैर–सरकारी विद्यालयों के छात्र और छात्राएं		टी–मान (df = 98)	सार्थकता स्तर
	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन		
उपलब्धि अभिप्रेरणा	59.07	8.72	61.53	7.25	1.53	असार्थक

सार्थकता स्तर 0.01 पर तालिका मान = 2.59, सार्थकता स्तर 0.05 पर तालिका मान = 1.97

तालिका संख्या–4 के अनुसार बरेली जिले के अंतर्गत आने वाले माध्यमिक स्तर सरकारी एवं गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का मध्यमान क्रमशः 59.07 एवं 61.53 तथा टी–मान 1.24 है, जो कि सार्थकता स्तर 0.05 मान **df=98** पर **1.97** से कम है अतः शून्य **परिकल्पना सरकारी व गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।** यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

तालिका संख्या–5

बरेली जिले के माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन

चर	शहरी विद्यालयों के छात्र और छात्राएं		ग्रामीण विद्यालयों के छात्र और छात्राएं		टी–मान (df = 98)	सार्थकता स्तर
	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन		
उपलब्धि अभिप्रेरणा	57.15	8.51	59.38	7.39	1.40	असार्थक

सार्थकता स्तर 0.01 पर तालिका मान = 2.59, सार्थकता स्तर 0.05 पर तालिका मान = 1.97

तालिका संख्या–4 के अनुसार बरेली जिले के अंतर्गत आने वाले माध्यमिक स्तर शहरी एवं ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का मध्यमान क्रमशः 57.15 एवं 59.38 तथा टी–मान 1.40 है, जो कि सार्थकता स्तर 0. 05 मान **df=98** पर **1.97** से कम है अतः शून्य **परिकल्पना शहरी एवं ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।** यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष–

प्रस्तुत शोधपत्र में केवल परिकल्पना क्रमांक 2 अस्वीकृत हुई है तथा सभी परिकल्पनाएँ परिकल्पना क्रमांक 1,3,4,5 आदि स्वीकृत की गयी है अत शोधकर्ता ने यह पाया कि परिकल्पना क्रमांक 2 में अस्वीकृत होने का कारण है छात्राओं का मध्यमान 60.58 तथा छात्रों का मध्यमान 65.96 पाया गया तथा टी–मान 3.34 पाया गया जिससे पता चलता है कि छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा अधिक होने के कारण उनके लिए चलायी जा रही योजनायें व माता–पिता द्वारा दिया जाने वाला वातावरण और अभिप्रेरित किया जाना जिससे वह अपनी माध्यमिक स्तर की शिक्षा में अच्छी उपलब्धि प्राप्त कर पा रही हैं।

सन्दर्भ–ग्रन्थ सूची

- Alderman, M. (1999). Motivation for achievement: Possibilities for teaching and learning. New Jersey: Lawrence Erlbaum Associates, Inc., Publishers.
- Atkinson, J. (1974). Motivation and achievement. Washington, D. C. V. H. Winston and Sons.
- Atkinson, J. & Feather, N. (1966). A theory of achievement motivation. New York: Wiley and Sons. THE Keefe, J. & Jenkins, I. (1993). Eye on education: Instruction and the learning environment, Larchmont, New York...
- Murphy, S. (1996). The achievement zone. New York: G. P. Putnam's Sons.
- Parker, J. & Johnson, C. (1981). Affecting Achievement Motivation. Charlottesville, VA:
- University of Virginia. (ERIC Document Reproduction Service Number ED 226 833).
- Simon, S. (1988). Getting unstuck. New York: Warner Books.
- Tracy, B. (1993). Maximum Achievement. New York: Simon and Schuster.
- Mohammad, F.& Khan, N. Z. (2017). A Study of Academic Achievement of Upper Primary School Students in Relation to their Socio-economic Status, Asian Research Consortium Asian Journal of Research in Social Sciences and Humanities, 7(6).121-127.